॥ आरती ॥

जय सदगुरु स्वामी । ॐ जय सदगुरु स्वामी ॥
अगम उदारण प्रभुजी (२) ।
नमीये शिश नमी (२) । ॐ जय सदगुरु स्वामी ॥

अकल निरंजन आप हो तुम ही अविनासी । गुरु हो तुम अविनासी ॥
शुद्ध संयम प्रकाशी (२) । सहुना सुख राशि ।
ॐ जय सदगुरु स्वामी ॥

सचिदानंद सरुप शब्दाचित्त स्वामी । गुरु शब्दाचित्त स्वामी ॥
शब्द सुधारस सिन्धु शब्द सुधारस स्वामी । अविचल पदधामी ।
ॐ जय सदगुरु स्वामी ॥

राम रुपे रमी रहते हो सर्वाभी व्यापी । गुरु सर्वाभी व्यापी ॥
अनुपम रुप तुम्हारो कोण सके पामी । अविचल पदधामी ।
ॐ जय सदगुरु स्वामी ॥

भव सागर मे डूबते जीव तेरी लीला । गुरु सब तेरी लीला ॥
तत्वमसी समजा के (२) । आप स्वरुप किन्हा ॥
ॐ जय सदगुरु स्वामी ॥

शंकर शुद्ध स्वरुप है करुणाधारी । गुरु है करुणाधारी ॥
सकल जगत में सेवा । एक ज सुखकारी ॥

ॐ जय सदगुरु स्वामी । जय सदगुरु स्वामी
अगम उदारण प्रभुजी । नमीये शिश नमी ॥

Send corrections to hariomgroup@gmail.com